CBSE Test Paper 04
Ch-4 नाना साहब की पुत्री और देवी मैना को भस्म कर दिया गया

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
   यह सुनकर सेनापति के होश उड़ गए। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ, और फिर उसने उस बालिका को भी पहिचाना, और कहा- "अरे यह तो नाना साहब की कन्या मैना है!”
   सेनापति 'हे' कुछ क्षण ठहरकर बोले-"हाँ, मैंने तुम्हें पहिचाना, कि तुम मेरी पुत्री मेरी की सहचरी हो! किन्तु मैं जिस सरकार का नौकर हूँ, उसकी आज्ञा नहीं टाल सकता। तो भी मैं तुम्हारी रक्षा का प्रयत्न करूँगा।”

   i. यहाँ सेनापति कौन है? उसने ऐसा क्या सुना कि उसके होश उड़ गए?
   ii. सेनापति की विवशता क्या थी? उसने क्या आश्वासन दिया?
   iii. बालिका सेनापति से क्या अनुरोध कर रही थी?

2. बालिका मैना ने सेनापति ‘हे’ को अपना परिचय किस प्रकार दिया? इससे आपको क्या सीख मिलती है?

3. महाराष्ट्र के पत्र ‘बाखर' में किस भीषण हत्याकांड को समाचार छपा था? लोगों में इसकी क्या प्रतिक्रिया हुई?

4. 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितंबर को लिखा था- 'बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक इस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी।' इस वाक्य में 'भारत सरकार' से क्या आशय है?

5. सर टामस ‘हे’ के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे?

6. अकेली मैना सैनिकों के बीच घिरी होने पर भी क्यों नहीं डरी?

CBSE Test Paper 04

Ch-4 नाना साहब की पुत्री और देवी मैना को भस्म कर दिया गया

Answer

1. i. यहाँ 'सेनापति' से तात्पर्य अंग्रेज़ी सेना के सेनापति 'हे' से है। अंग्रेज़ी सरकार ने उन्हें नाना साहब का महल ध्वस्त करने का आदेश दिया था। जब उन्होंने उस महल को बचाने का अनुरोध करने वाली बालिका मैना के मुँह से यह सुना कि वह (मैना) उनकी स्वर्गीय पुत्री मेरी की सहेली है और उसकी एक चिट्ठी अब भी मैना के पास है तो उनके होश उड़ गए।
   ii. सेनापति की विवशता यह थी कि अंग्रेज़ी सेना का सेनापति होने के कारण वह कर्तव्य से बँधा था। मैना के अनुरोध पर वह जनरल अउटरम से सहानुभूतिपूर्वक विचार-विमर्श कर मकान को बचाने का प्रयास करना चाहते थे। उसने मैना को यह आश्वासन दिया कि वह मकान बचाने का पूरा प्रयास करेगा।
   iii. बालिका सेनापति से अपने पिता नाना साहब का मकान ध्वस्त न करने का अनुरोध कर रही थी। वह उसके पिता की निशानी थी। उसका बचपन वहीं बीता था।
2. बालिका मैना ने सेनापति ‘हे’ को अपना परिचय देते हुए बताया कि आपकी पुत्री 'मेरी' मेरी घनिष्ठ सहेली थी। आप उस समय उसके साथ हमारे महल में आते थे। आपका मुझे भी अपनी पुत्री के समान स्नेह करते थे। उसकी एक चिट्ठी अब तक मेरे पास है। उस समय आप भी यहाँ आया करते थे।” इससे हमें साहस और विनम्रतापूर्वक अपनी बात कहने की प्रेरणा मिलती है।
3. अउटरम द्वारा हथकड़ी लगाकर लाई गई नाना साहब की एकमात्र पुत्री मैना देवी को कानपुर के किले में जलती आग में जलाकर भस्म करने का समाचार महाराष्ट्र के इतिहासवेत्ता महादेव चिटनवीस ने अपने समाचार पत्र 'बाखर' में छापा था। यह अत्यंत भीषण हत्याकांड था। इसके बारे में लोगों की यह प्रतिक्रिया रही कि इसके बारे में सुनते ही वे किले की ओर भागे। शांत भाव से आग में जलती मैना को देखकर, उसे देवी समझकर सबने उसे प्रणाम किया। मैना देवी के इस बलिदान को देख सभी का सिर श्रद्धा से झुक गया।
4. 6 सितंबर के टाइम्स पत्र में छपे वाक्य में प्रयुक्त 'भारत सरकार' का अर्थ है- भारत में शासन चलाने वाली अंग्रेजी सरकार या ब्रिटिश सरकार क्योंकि उस समय भारत में अंग्रेज़ सरकार का ही शासन था|
5. सर टामस ‘हे’ के मैना पर दया भाव के निम्नलिखित कारण थे-
   i. 1857 के विद्रोह से पहले टामस ‘हे’ का नाना साहब के घर आना-जाना था ।
   ii. मैना और टामस 'हे' की दिवंगत पुत्री मेरी घनिष्ठ सहेली थी।
   iii. मैना के पास उनकी पुत्री मेरी की चिट्ठी होने की बात सुनकर ‘हे’ भावुक हो गए थे।
   iv. मेरी की सहेली होने के कारण टामस ‘हे’ का मैना पर अपनी पुत्री के समान ही स्नेह था।
6. मैना साहसी और निडर बालिका थी। वह नाना साहब की वीर पुत्री थी। देश के लिए अपने प्राणों का त्याग करने में भी उसे कोई भय नही था। इसके अलावा उसका अपना परिवार एवं घर उससे अलग हो चुके थे इसलिए वह सैनिकों के बीच होने पर भी न घबराई, न डरी।